मेट्रो 3 टनलिंग का 99 प्रतिशत मार्ग तैयार

कारशेड पर 'अंधेरा' अब भी बरकरार

Pankaj.Pandey
@timesgroup.com

■ **मुंबई:** मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो का कारशेड का स्थान भले ही अब तक तय नहीं हो पाया है। लेकिन, प्रशासन ने भूमि के नीचे 98.9 फीसदी तक मार्ग तैयार कर लिया है। 33.5 किमी लंबे मार्ग पर अब केवल 2 किमी तक ही टनलिंग का काम शेष है। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएमआरसीएल) ने आगामी दो से तीन महीने में 100 फीसदी टनलिंग करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

टनलिंग	98.9%
सुरंग	40/42
स्टेशन वर्क	82.06
सिविल वर्क	84.82
ऑवर ऑल सिस्टम	36.22
ट्रक बिछाने	25.50
ऑवर ऑल प्रॉजेक्ट	73.07

कोलाबा-बांद्रा-सिप्ज के बीच बन रहे 33.5 किमी लंबे भूमिगत मार्ग पर कुल 26 स्टेशन हैं। इन स्टेशनों के बीच मेट्रो दौड़ाने के लिए कुल 42 सुरंग का निर्माण होना है, जिनमें से 40 सुरंग बन चुकी हैं। हालांकि, अधिकांश काम हो जाने के बाद भी अब तक कारशेड को लेकर संशय बरकरार है। सरकार की ओर से अब तक इस बारे में स्पष्टता नहीं है।

गौरतलब है कि पहले मेट्रो 3 का कारशेड आरे में बनना था, लेकिन महाविकास आघाड़ी सरकार ने इस फैसले को रद्द कर दिया। इसके बाद से मेट्रो कारशेड के लिए नई जगह तलाशी जा रही है।

निर्माण कार्य की रफ्तार बनाए रखने के लिए एमएमआरसीएल एक साथ कई काम कर रहा है। 98.9 फीसदी मार्ग बनाने के बाद रूट पर उपकर लगाने और ट्रैक बिछाने का भी काम तेजी से चल रहा है। अब तक 25.50 फीसदी रूट पर ट्रैक बिछ चुका है। मेट्रो के संचालन के लिए जरूरी 36.22 फीसदी सिस्टम लग चुके हैं।

मेट्रो स्टेशन का निर्माण कार्य भी तेजी से चल रहा है। अब तक 82.06 फीसदी तक स्टेशन बन चुके हैं। पूरे रूट पर सिविल वर्क 84.82 फीसदी तक हो चुका है। पूरे प्रॉजेक्ट का ओवरऑल काम 73.07 फीसदी तक किया जा चुका है।

डेढ़ वर्ष का काम बाकी

एमएमआरसीएल के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, अगर आज मेट्रो कारशेड तैयार भी होता, तो सेवा शुरू करने में डेढ़ से दो वर्ष का समय लगता। सिविल वर्क पूरा करने के बाद उपकरण लगाने समेत अन्य छोटे-छोटे काम को पूरा करने में काफी समय लगता है। सरकार जल्द ही कारशेड का मुद्दा सुलझा लेगी।

रेक तैयार: कॉरिडोर पर ट्रायल रन शुरू करने के लिए आंध प्रदेश के श्रीसीटी में मेट्रो की पहली रेक बन चुकी है। केंद्र और राज्य सरकार के बीच जारी विवाद के चलते अब तक कॉरिडोर के कारशेड की जगह का चयन नहीं हो पाया है। कारशेड के नहीं होने की वजह से प्रशासन को रेक की देख-रेख करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। कॉरिडोर के पूरे मार्ग के बजाय शुरुआती चरण में मेट्रो के कुछ स्टेशनों के बीच ट्रायल रन होगा। मरोल मरोशी से मेट्रो के ट्रायल रन की शुरुआत होगी।